सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-367
29/08/2016

मुख्यमंत्री ने किया कटिहार में बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण

पटना, 29 अगस्त 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज कटिहार जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं बाढ़ पीड़ितों के लिये बनाये गये विभिन्न राहत शिविरों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कुर्सेला के जरलाही पंचायत के प्राथमिक विद्यालय मलिनीया दिरा, कुर्सेला के ऑडिटोरियम में बनाये गये बाढ़ राहत शिविर, बाढ़ राहत शिविर कुर्सेला, बाढ़ राहत शिविर राजापाकड़ बरारी, बाढ़ राहत शिविर मोहना चॉदपुर बरारी, बाढ़ राहत शिविर मनिहारी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने सभी राहत शिविरों में बाढ़ पीड़ितों के लिये बनाये जा रहे भोजन, उन्हें दी जा रही स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधायें, शिविर में बच्चों को दी जा रही सुविधायें तथा पशुओं के बीमारी के लिये दवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रत्येक शिविर में जाकर तैयार भोजन की गुणवता भी देखी और राहत शिविर के निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की तथा उनकी समस्याओं को भी ध्यान से सुना।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविरों के निरीक्षण के उपरान्त शिविरों में रह रहे बड़ी संख्या में आपदा पीड़ितों को संबोधित करते हुये कहा कि मैं विभिन्न शिविरों का निरीक्षण कर रहा हूॅ। बाढ़ से जो तबाही हुयी है, उसका हमने कई बार हवाई सर्वेक्षण भी किया है, फिर सड़क मार्ग से अनेक बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को जानने की कोशिश कर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा हूॅ। कल दिन भर भागलपुर बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण कर वहॉ की बाढ़ की स्थिति के संबंध में समीक्षा की और शाम में पूर्णिया में पूर्णिया प्रमण्डल के पूर्णिया, अररिया एवं किशनगंज जिला के बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करते हुये बाढ़ पीड़ितों को जो सहायता दी जानी है, उस पर विस्तृत दिशा–निर्देश दिये गये। मैं बाढ़ पीड़ितों का दुख–दर्द समझ रहा हूॅ। कटिहार जिला को एक ही वर्षाकाल में दो बार बाढ़ की स्थिति का सामना पड़ा, यह देखकर बहुत कष्ट हुआ है। पहली बार नेपाल में भारी वर्षा से महानंदा एवं कनकई नदी से बाढ़ आयी और पूरा पूर्णिया प्रमण्डल प्रभावित हुआ। दूसरी बार गंगा के उफान से कटिहार के लोग बाढ़ की पीड़ा झेल रहे हैं। उन्होंने आज कई इलाकों का दौरा किया है। बाढ़ पीड़ितों के लिये हर जगह राहत शिविर लगाये गये हैं। बाढ़ राहत शिविर में भोजन के साथ–साथ स्वास्थ्य शिविर की भी व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि कोसी की त्रासदी आठ–नौ साल पहले हुयी थी। लाखों की संख्या में महीनों लोगों को शिविर में रखा गया था और उन्हें हर प्रकार की सुविधा प्रदान की गयी थी। एक–एक शिविर में आठ से दस हजार लोग रहते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार आयी बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहे लोगों को राज्य सरकार हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस बार गंगा नदी अपने सभी पुराने रिकॉर्ड को तोड़कर अपने उच्चतम स्तर पर पहुॅची है, इसके कारण काफी परेशानी हुयी है। हम आपकी कठिनाई को देखकर यहॉ आये हैं। हम आपके दुख एवं कठिनाई को कम करने के लिये तत्पर हैं। अभी नाश्ता, भोजन, पशुचारा, मानव दवा, पशु दवा मिले, यह सबसे अधिक आवश्यक है। अभी पानी निकलने में समय लगेगा और जब पानी निकल जायेगा तो हर बाढ़

पीड़ित परिवार को छह हजार रूपये जी0आर0 के रूप में अनाज एवं घर के जरूरी बर्तन वासन खरीदने के लिये दिये जायेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। उन्होंने कहा कि जिनका घर बर्बाद हो गया है, उनको भी मदद दी जायेगी। जिनकी फसल की क्षति बाढ़ या तूफान के कारण हुयी है, उनको भी सहायता दी जायेगी। भ्रमण के क्रम में उन्होंने स्वयं केला की फसल की क्षति को देखा है। उन्होंने कहा कि केला किसानों को भी फसल क्षति का आकलन कर उन्हें सहायता दी जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घबराना नहीं है, जितना राहत कैम्प चलाना होगा, चलायेंगे। हर राहत कैम्प के लिये अलग–अलग प्रभारी पदाधिकारी होंगे। राहत कैम्पों का संचालन सुचारू रूप से हो, इसके लिये जिस जिला में बाढ़ नहीं है, वहॉ के अधिकारियों को लगाया जा रहा है। दोनों समय भोजन के साथ–साथ सुबह में हर कैम्प में नाश्ता मिलेगा। इसके लिये किचेन में चूल्हा बढ़ाया जायेगा। सभी व्यवस्थायें दुरूस्त हो जायेगी, सिर्फ आपका सहयोग चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके सहयोग से राहत शिविर चले, इस मामले में हमने अधिकारियों से बातचीत की है। राहत शिविरों में रह रहे आपदा पीड़ित जो भोजन बनाने और भोजन खिलाने में मदद करेंगे, उन्हें दो सौ रूपये प्रतिदिन की दर से पारिश्रमिक दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि वे कटिबद्ध हैं कि व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों में ऑगनबाड़ी सेविका तथा शिक्षक बच्चों को पढ़ाने की व्यवस्था करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ राहत शिविर में रह रहे लेागों के लिये स्वस्थ मनोरंजन का इंतजाम करने का निर्देश दिया है। बड़े–बड़े स्क्रीन लगाकर लोगों को टेलीविजन दिखाया जाय। हमारी पूरी सरकार आपके साथ है, बस प्रेम और भाईचारा का माहौल बनाये रखें। सभी प्रकार की सहायता दी जायेगी। बाढ़ के पश्चात बॉध और पुनर्वास के लिये एक–एक चीज पर नजर है। हम हर मूमकिन कोशिश करेंगे कि आपको आने वाले वर्षों में इससे छुटकारा मिल सके। उन्होंने कहा कि पानी निकलेगा तो फिर आयेंगे। हम कोई काम बीच में नहीं छोड़ते हैं, उसे तार्किक परिणति तक ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्णिया, अररिया, किशनगंज में पहले राउण्ड के बाढ़ के नुकसान में तीन सौ करोड़ रूपये की राशि की आवश्यकता है और वह सहायता हम देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कटिहार के पहले राउण्ड एवं दूसरे राउण्ड के बाढ़ पीड़ितों को सहायता पहुॅचाने में जितनी राशि खर्च होगी, वह राशि दी जायेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से कहा है कि विशेषज्ञ की टीम भेजी जाय। नदियॉ छिछली हो रही है। थोड़ा सा भी पानी बढ़ता है तो जल प्रवाह होने लगता है।

मुख्यमंत्री ने मोहना चॉदपुर में शिविर के निरीक्षण के क्रम में कुन्दू नदी का निरीक्षण किया और ग्रामीणों के आग्रह पर जनहित में पुल निर्माण कराने की घोषणा की और मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि प्राक्कलन तैयार कराकर समुचित कार्रवाई की जाय।

चूॅकि अमदाबाद जाने का सड़क सम्पर्क भंग हो गया था और मुख्यमंत्री अमदाबाद में भी बाढ़ की स्थिति को देखना चाहते थे इसलिये मुख्यमंत्री कुर्सेला, बरारी और मनिहारी के बाढ़ राहत शिविरों के निरीक्षण के उपरान्त अमदाबाद में बाढ़ की स्थिति का हवाई सर्वेक्षण किया और हवाई सर्वेक्षण के उपरान्त चुनापुर हवाई अड्डा पर वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री बाढ़ राहत शिविरों के निरीक्षण के क्रम में बरारी विधायक श्री नीरज कुमार तथा कदवां विधायक श्री शकील अहमद खॉ के आवास पर भी कुछ देर रूककर उनका आतिथ्य स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण में पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री सह प्रभारी मंत्री कटिहार श्री अवधेश कुमार सिंह, पूर्णिया सांसद श्री संतोष कुशवाहा, विधायक श्री नीरज कुमार, विधायक श्री शकील अहमद खॉं, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव आपदा प्रबंधन श्री ब्यासजी, प्रधान सचिव कृषि श्री सुधीर कुमार, कटिहार जिले के प्रभारी सचिव, आयुक्त पूर्णिया प्रमण्डल, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, जिलाधिकारी कटिहार श्री ललन जी, पुलिस अधीक्षक कटिहार डॉ0 सिद्धार्थ मोहन जैन सहित अनेक वरीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

******